यूपीईएस और बजाज ऑटो की साझेदारी: इंजीनियरों के लिए बीईएसटी सेंटर की शुरुआत

- **इंजीनियरिंग स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को किया जाएगा तकनीकों में प्रशिक्षित**

भास्कर समाचार सेवा

साझेदारी के दौरान यूपीईएस और बजाज ऑटो के पदाधिकारी।

देहरादून। यूपीईएस और बजाज ऑटो लिमिटेड ने इंजीनियरिंग स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को उभरती हुई 21वीं सदी की तकनीकों में प्रशिक्षित करने के लिए साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, बजाज ऑटो अपनी सीएसआर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में यूपीईएस में एक एडवांस्ड बजाज इंजीनियरिंग कौशल प्रशिक्षण (बीईएसटी) केंद्र स्थापित करेगा।

बीईएसटी बजाज ऑटो लिमिटेड की प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों के सहयोग से अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करके टियर 2 और टियर 3 इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के इंजीनियरों को सशक्त बनाना है। शिक्षार्थियों को गहन ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए एक मंच भी प्रदान करेंगे, जो आज के लगातार विकसित हो रहे उद्योग में प्रासंगिक और सक्षम बने रहने के लिए आवश्यक है। यह संयुक्त प्रयास दो फुल टाइम ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रदान करेगा: एक डिप्लोमा इंजीनियरों के लिए और दूसरा स्नातक इंजीनियरों के लिए। यूपीईएस परिसर में दोनों कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा और उत्तराखंड और देश के अन्य हिस्सों के विभिन्न इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के छात्रों को आमंत्रित करेगा। बीईएसटी कार्यक्रम मेक्ट्रोनिक्स, मोशन कंट्रोल और सेंसर टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, और इंडस्ट्री 4.0 और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बीईएसटी कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवा शिक्षार्थियों को रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायता करेगा। यूपीईएस के वाईस चांसलर डॉ. राम शर्मा ने कहा कि यूपीईएस में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को इंडस्ट्री के लिए तैयार करने की हमारी कमिटमेंट अटल है। यह साझेदारी छात्रों को इनोवेशन और समस्या-समाधान के लिए आवश्यक कौशल और इनसाइट्स से सशक्त बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बजाज ऑटो लिमिटेड के सीएसआर के वाईस प्रेजिडेंट सुधाकर गुडीपति ने कहा कि हमारे बेस्ट कार्यक्रम के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और युवाओं को सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें इस गतिशील और प्रतिस्पर्धी माहौल में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान किया जा सके। हम यूपीईएस के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। यूपीईएस इनोवेशन को बढ़ावा देने और छात्रों को बेहतर कल के लिए कौशल सेट से लैस करने के लिए कमिटेड है। हाल ही में, यूपीईएस के स्टार्टअप इनक्यूबेटर-रनवे ने एक समावेशी प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (आई-टीबीआई) की स्थापना और संचालन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से अनुदान भी प्राप्त किया।